18. जुवान आर किसान

सीमान में जुवान तोंय
खेत में किसान तोंय
डेंटल हँय, हिठल हँय
चेतल हँय, जागल हँय।
रक्छक हँय, पालक हँय।

लोहुक दान ठोपें-ठोंप
धरती पटवे लोपें-लोप
उपजे पियारउपजे जोस
दुसमनेक उड़वंइ होंस
बचवें आपन देसेक मोछ।

हाथ ! सब तोर कमाल
मातरी भूमि के अइसन लाल
हाथें बन्दुक,हाथें हार-फार
लइ जुट-ऽ हथ करे ले नेहाल
फुइट जाहे तखन कुटचाइल।

तोर कामेक दाम नाञ्
दाम माँगे से सपूत नाञ्
मान बाढ़े काम पर
सपूत मरे 'शान' पर
जुवान सीमान पर !

सीमान में जुवान तोंय
खेत में किसान तोंय
डेंटल हँय, हिठल हँय
चेतल हँय, जागल हँय
रक्छक हँय, पालक हँय।